अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर–दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें । 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र. 1 लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) **(5 X 3 = 15)**

1. ताल शिखर में चक्रदार परण।
2. ताल धमार में कवित्त।
3. ताल झपताल में तिपल्ली।
4. ताल तीनताल में नटवरी।
5. ताल छोटी सवारी में परण।

प्र. 2 अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। **(1 x 10 = 10)**

1. वीर रस का स्थायी भाव ---------- है।
2. रतिगृह सजा के स्वयं शृंगार करके नायक का स्वागत करने के लिए राह देख रही है वह ---------- नायिका है।
3. स्थायी भाव ---------- प्रकार के होते हैं।
4. रसनिर्मिती के लिए जो बाह्य कारण है वह ---------- जाने जाते हैं।
5. धर्मभेद नुसार नायिका भेद की संख्या ---------- हैं।
6. परिस्थिती के अनुसार नायिका भेद ---------- कहलाती हैं।
7. मोहिनीअट्टम् शैली के अडवू के बोलों को ---------- बोलते हैं।
8. ---------- जी ने कुचिपुडी नृत्यशैली को रंगमंच में प्रस्तुत किया।
9. ---------- नृत्य में त्रिभंगी मुद्रा का महत्व है।
10. कटक मुद्रा ---------- ग्रंथ में नहीं है।

ब) जवाब दें। (एक वाक्य में) **(1 x 5 = 5)**

1. नाटयशास्त्र ग्रंथ के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं की संख्या कितनी है?
2. भयानक रस का स्थायी भाव क्या है?
3. जातिभेदानुसार नायिका भेद कितने प्रकार के हैं?
4. ताल शिखर की खाली कौनसे मात्रा पर हैं?
5. बटु नृत्य कौनसे नृत्यशैली प्रस्तुती का एक भाग है?

प्र. 3 सही या गल बताइए। **(1 x 15 = 15)**

1. व्यभिचारी भाव ही संचारी भाव है।
2. विप्रलब्धा नायिका जातीभेद के अनुसार है।
3. चतुर मुद्रा नाट्यशास्त्र और अभिनय-दर्पण दोनों ग्रंथों में बतायी गयी है।
4. नाट्यशास्त्र ग्रंथ के अनुसार संयुक्त हस्तमुद्रा 24 हैं।
5. वीर रस के चार भेद बताए गए हैं।
6. मोहिनीअट्टम् नृत्य केवल नारीयों के द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।
7. पं.केलूचरण महापात्रा कथकली नृत्य के गुरु है।
8. रामायण कुल पाँच कांडों में विभागा गया है।
9. 'संगीत रत्नाकर' इस ग्रंथ के लेखक आचार्य शाङ्गदेव जी हैं।
10. 'अभिनव भारती' यह एक मध्ययुगीन ग्रंथ है।
11. सर्पाकृती अलंकार ओडीसी नृत्य में पहने जाते हैं।
12. कंस-वध वीर रस का एक उत्तम उदाहरण है।
13. हस्तिनी नायिका जातिभेद के अनुसार है।
14. उर्ण्वनाभ मुद्रा नाट्यशास्त्र ग्रंथ में हैं।
15. 'मंगलाचरण' यह कुचिपुडी नृत्यशैली प्रस्तुती का एक प्रकार है।

प्र. 4 टिप्पणी लिखें। **(5x3 = 15)**

1. भागवत पुराण की जानकारी।
2. कुचिपुडी नृत्य की व्याख्या, (वाद्य और वस्त्रों की जानकारी सहित)

3. स्वाधिनपतिका नायिक (सोदाहरण)

प्र. 5 सिर्फ नाम लिखें। **(4 + 4 + 4 + 3 = 15)**

1. ओडिसी नृत्य में साथसंगत किए जानेवाले वाद्यों के नाम। (कोई 2) और वस्त्रों की जानकारी।
2. रामायण के कोई चार (4) कांड के नाम।
3. अभिनय दर्पण की ऐसी चार (4) मुद्राओं के नाम जो नाट्यशास्त्र ग्रंथ में नहीं है।
4. धर्मभेदानुसार नायिकाओं के नाम।

प्र. 6 अ) प्राचीन नृत्यसंबंधी घटनाओं की जानकारी दे। (8)

ब) लय और ताल का उद्‌गम तथा कथ्थक नृत्य में उसका महत्त्व समझाइए। **(7)**

प्र. 7 अ) नवरस क्या है ? सभी नवरसों के नाम उनके स्थायी भाव के साथ लिखें। **(10)**

ब) अद्‌भुत रस, शांत रस की विस्तृत जानकारी दें। **(5)**